गोवर्धन आरती

श्री गोवर्धन महाराज, ओ महाराज।
तेरे माथे मुकुट विराज रहेओ॥
श्री गोवर्धन महाराज॥

तोपे पान चढ़े, तोपे फूल चढ़े,
तोपे चढ़े दूध की धार।
तेरे माथे मुकुट विराज रहेओ,
श्री गोवर्धन महाराज॥

तेरी सात कोस की परिकम्मा,
और चकलेश्वर है विश्राम।
तेरे माथे मुकुट विराज रहेओ,
श्री गोवर्धन महाराज॥

तेरे गले में कंठा साज रेहेओ,
ठोड़ी पे हीरा लाल।
तेरे माथे मुकुट विराज रहेओ,
श्री गोवर्धन महाराज॥

तेरे कानन कुंडल चमक रहेओ,
तेरी झांकी बनी विशाल।

तेरे माथे मुकुट विराज रहेओ,
श्री गोवर्धन महाराज॥

गिरिराज धारण प्रभु तेरी शरण,
करो भक्त का बेड़ा पार।
तेरे माथे मुकुट विराज रहेओ,
श्री गोवर्धन महाराज॥

[1]

---

[1] सौजन्य से:

धर्मयात्रा **(DharmYaatra)**

वेबसाइट: https://dharmyaatra.in/

व्हाट्सऐप नंबर: +917410957600

नोट: यदि आप वैदिक ज्ञान 🔱, धार्मिक कथाएं 🕉️, मंदिर व ऐतिहासिक स्थल 🛕, भारतीय इतिहास, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य 🧠, योग व प्राणायाम 🧘‍♂️, घरेलू नुस्खे 🥥, धर्म समाचार 📰, शिक्षा व सुविचार 👣, पर्व व उत्सव 🪔, राशिफल 🌌 तथा सनातन धर्म की अन्य धर्म शाखाएं ☸️ (जैन, बौद्ध व सिख) इत्यादि विषयों के बारे में प्रतिदिन कुछ ना कुछ जानना चाहते हैं तो आपको धर्मयात्रा संस्था के विभिन्न सोशल मीडिया खातों से जुड़ना चाहिए। उनके लिंक हैं:

व्हाट्सएप ग्रुप व्हाट्सएप चैनल

फेसबुक पेज इंस्टाग्राम प्रोफाइल